

आईआईटी करेगा तलछट दूषित क्षेत्रों व कटाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान

नर्मदा नदी बेसिन के प्रबंधन का कार्यभार संभाला

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने नर्मदा नदी बेसिन के प्रबंधन का कार्यभार संभाला है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, आईआईटी इंदौर और आईआईटी गांधीनगर को संयुक्त रूप से 98,796 वर्ग किलोमीटर में फैले नर्मदा नदी बेसिन का व्यापक अध्ययन करने का कार्य सौंपा

गया है। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल के नेतृत्व में प्रोफेसर वर्ग की टीम ने भाग लिया। अब आईआईटी इंदौर एक विस्तृत जल बजट रिपोर्ट प्रदान करेगा और तलछट-दूषित क्षेत्रों और कटाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान करेगा। प्रोफेसर गोयल ने कहा, आईआईटी इंदौर एक विस्तृत जल बजट रिपोर्ट प्रदान करेगा और तलछट-दूषित क्षेत्रों और कटाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान करेगा।

नए युग की शुरुआत का प्रतीक

इन छह नदी बेसिन के लिए स्थिति मूल्यांकन और प्रबंधन योजना (सीएएमपी) पर अध्ययन करने की एनआरसीडी की पहल नदियों की स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नदी बेसिन प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है और भारत ने पानी से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें पीने के पानी, नदी की सफाई और भूजल पुनर्भरण से संबंधित पहल को वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बताया गया है। इस दिशा में, यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा जगत और सरकार नदी बेसिन प्रबंधन के लिए एक साथ मिलकर काम करें।